

कर क्या सरकार नेपाल के साथ कोई व्यापार समझौता करेगी या नहीं ?

अध्यक्ष महोदय : उन को जा लेने दीजिये जब वापिस आयें तो पूछ लीजियेगा कि उन्होंने क्या किया है ?

श्री योगेश्वर झा : मेरे सवाल को समझा जाय । मैं ने यह जानना चाहा है

अध्यक्ष महोदय : मैं सवाल समझ गया । मिनिस्टर साहब ने भी सुन लिया है और वह इस बात का ध्यान रखेंगे ।

Shri Hem Barua: After the hon. Minister made a statement on the floor of the House that longterm trade agreement with Nepal has been proposed, may I know whether the attention of the hon. Minister was drawn to a statement made by the Nepalese Minister to the effect that no such long-term trade agreement was ever proposed and if so, what is the correct position?

Shri Manubhai Shah: The statement was not from the Nepalese Minister; it was an extract from a press report wrongly directed.

श्री विभूति मिश्र : माननीय मंत्री जी काठमंडू जा रहे हैं । क्या वह इस बात का खयाल रखेंगे कि जो सामान विदेशों से हिन्दुस्तान को हो कर नेपाल में जाता है या उन के यहां से आता है, या तो उन दोनों पर एक सा टैक्स लगाया जाये और या दोनों को टैक्स-फ्री रखा जाये ?

Mr. Speaker: It is a suggestion for action.

Shri P. C. Borooah: Have the tariff discrepancies that acted against Indian trade with Nepal recently pointed by that Government since been removed?

Shri Manubhai Shah: The difficulties were more administrative in character. Two delegations sat for a number of

days and I was told by the leader of the Nepalese delegation that they were highly satisfied with the results of the talks.

श्री सरजू पाण्डेय : मैं यह जानना चाहता हूं कि नेपाल ने व्यापार की जो बातचीत चल रही है, उस में किन किन चीजों का व्यापार करने पर विचार हो रहा है ? क्या भारत सरकार नेपाल सरकार से गांजा भी मंगायेगी या नहीं ?

श्री मनुभाई शाह : मैं ने स्थिति साफ कर दी है । नेपाल के साथ हमारे इतने अच्छे रिश्ते हैं कि हम चाहते हैं कि हमारी ट्रेड और इकानॉमिक को-आपरेशन और भी बढ़े ।

Shrimati Renu Chakravarty: What is the amount of our trade with Nepal and is it only for primary products or for processed and manufactured goods also?

Shri Manubhai Shah: Principally our trade is in manufactured goods and I would like to give figures on my return.

Setting up of Industries in Nepal

- +
- *98. {
 Shri Yogendra Jha:
 Shri Vishram Prasad;
 Shri Bishanchander Seth:
 Shri B. P. Yadava:
 Shri Dhaon;
 Shri D. C. Sharma:
 Shri D. D. Puri:
 Shri P. R. Chakraverti:
 Shri Mohan Swarup:
 Shri Onkar Lal Berwa:
 Shri Rameshwar Tantia;
 Shri P. C. Borooah:
 Shri C. K. Bhattacharyya:

Will the Minister of **International Trade** be pleased state:

(a) whether a ten-member industrial study team from Nepal discussed with the Government of India about collaboration by Indian industrialists

for setting up new industrial enterprises in Nepal;

(b) whether they have also asked for technical experts; and

(c) if so, the reaction of the Government to that proposal?

The Minister of International Trade (Shri Manubhai Shah): (a) Under the Indian Aid Mission programme of assistance to Nepal an Industrial study team consisting of ten members sponsored by the Nepal Industrial Development Corporation visited India during December, 1963, to study a few industrial units, particularly in the small scale sector, and organisations concerned with their development and improvement. The study team did not discuss with Government about collaboration by Indian Industrialists for setting up new industrial enterprises in Nepal.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

However, the Indian delegation went to Nepal to discuss the joint venture schemes for industries to be established in Nepal by the Indian industrialists.

श्री योगेन्द्र झा : मैं यह जानना चाहता हूँ कि नेपाल में भारतीय उद्योगपतियों के द्वारा जो उद्योग स्थापित किये जायेंगे, उन में जो विदेशी मुद्रा की आवश्यकता होगी, भारत सरकार किन शर्तों पर इन उद्योगपतियों को नेपाल के लिए विदेशी मुद्रा उपलब्ध करायेगी।

श्री मनुभाई शाह : ज्यादातर तो जो मशीनरी हिन्दुस्तान में बनती है, वही अपने इक्विटी कैपिटल के तौर पर हमारे सनभ्रतकार हमारे यहां से ले जायेंगे। लेकिन उस के अलावा कुछ कैश भी देना पड़ेगा, क्योंकि हमारे दोनों देशों में बहुत मंती के सम्बन्ध हैं और हम चाहते हैं कि वह देश जितनी ज्यादा तरक्की कर सके, वह करे। इसलिए हम उसकी सब किस्म की इपदाद करेंगे।

श्री योगेन्द्र झा : क्या नेपाल सरकार ने भारत सरकार में सरकारी स्तर पर सहायता मांगी थी? अगर ऐसी कोई सहायता की मांग की गई थी, तो उस को सरकारी स्तर पर सहायता न दे कर अपने उद्योग पतियों के द्वारा वहां उद्योग स्थापित किये जाने की अनुमति दिये जाने का क्या कारण है?

श्री मनुभाई शाह : इस में सहायता का मवाल नहीं है। हम दोनों देश एक दूसरे का सहयोग और सहकार कर रहे हैं। जितना हम चाहते हैं, उतना सहकार हम को वहां से मिल रहा है और जितना वे चाहते हैं, हमारी ओर से भी उतना ही सहकार उन को मिल रहा है।

श्री योगेन्द्र झा : क्या सहकार सरकारी स्तर पर नहीं दिया जा सकता है? सरकारी स्तर पर उन को सहयोग और सहकार क्यों नहीं दिया जाता है?

श्री मनुभाई शाह : हम सरकारी स्तर पर भी सहकार कर रहे हैं और दोनों देशों के शहरियों, नागरिकों, के द्वारा भी सहकार कर रहे हैं।

Shri Vishram Prasad: May I know what are the industries that will be opened in Nepal with the help of Indian industrialists and what will be the collaboration and the finances required?

Shri Manubhai Shah: It is a very broad and wide question, but we are initiating the establishment of a textile factory there, a glass factory, some light engineering industries, one paper and plywood and timber plant. The gamut of co-operation between the two countries is really very wide and we will try to do our best in this direction.

श्री श्रीकार माल बेरवा : हमारे जो उद्योगपति वहां पर उद्योग खोल रहे हैं, क्या उनको किसी टेक्स की कूट दी गई है, इसलिए वे वहां पर उद्योग खोल रहे हैं?

श्री मनुभाई शाह : नहीं, यह तो दोस्ती का सवाल है। इस में कुछ मिलता है या नहीं, हम को इस से मतलब नहीं है। वैसे तो जो काम करेगा, उस को कुछ तो मिलेगा ही। लेकिन यह तो सहयोग का सवाल है।

श्री श्रींकार लाल बेरवा : नेपाल सरकार ने उन को कोई छूट दी होगी। उस ने कहा होगा कि अगर हमारे यहां उद्योग खोले जायेंगे, तो यह छूट दी जायेगी। क्या यह बात सही है ?

Shrimati Renu Chakravartty: In view of the fact that the economic development of Nepal or any other foreign country impinges also on our political relations with those countries, may I know whether all the industries that will be started will be looked into by our Government so that the relations later on also will remain good between the two countries?

Shri Manubhai Shah: As the economic relations develop, the other relations are automatically improved. We always hope this relation will continuously improve.

Shri Nath Pai: In view of the fact that in all the newly developing countries there is a suspicion about the foreign private capital being imported, as is the feeling in this country, may I know why the Government is going out of its way to encourage private capital in Nepal—(Interruption)—it was raised earlier by Shri Yogendra Jha but we did not get a reply—and instead, why not it make the same help available at the State level, as we demand, for ourselves?

Shri Manubhai Shah: No such suspicion exists.

श्री रामेश्वरानन्द : मैं यह जानना चाहता हूँ कि जिस तरह से नेपाल सरकार भारत सरकार से कारखाने खोलने की मांग कर रही है और भारत सरकार खोल रही है, तो क्या

पाकिस्तान सरकार की तरफ से भी वहां उद्योग खोले जा रहे हैं ?

श्री मनभाई शाह : इस में हमारा कोई मतलब नहीं है।

श्री रामेश्वरानन्द : माननीय मंत्री का मतलब नहीं है, मगर मझे तो मतलब है। वह बतायें तो सही।

Shri D. C. Sharma: Nepal is receiving aid for development from China and we have nothing to say about it. But wherever china has gone, it has been giving trouble such as in Indonesia with regard to the Olympic Games and other countries also. May I know, therefore, if the industrial interests of India will be protected against the Chinese interference and Chinese machinations in Nepal? (Interruptions).

Mr. Speaker: Order order, Shrimati Lakshmikanthamma.

Shrimati Lakshmikanthamma: Is it a fact that China has given up the construction of a paper mill and also a cement factory in Nepal and, if so, may I know whether our Government propose the construction of a paper mill there?

Shri Manubhai Shah: The field of economics we have secured and are securing between the two countries is so large and so heartening that all these doubts expressed by hon. Members are unfounded.

Shri D. C. Sharma: Sir, my question has not been replied to.

Mr. Speaker: Shri Bibhuti Mishra.

श्री विभूति मिश्र : क्या यह सही है कि जो भारतीय व्यापारी नेपाल में कारखाने खोलने जा रहे हैं, उन्हें जो सामान यहां से मिलेगा, उस के अलावा बाहरी चीजों की भी जरूरत पड़ेगी ? तो क्या नेपाल सरकार उस सामान

को बाहर से मंगा देगी? क्या यह भी सही है कि दस बरस तक वे कारखाने टैक्स-फ्री रखे जायेंगे और जो मुनाफा होगा, उस को वे हिन्दुस्तान में ला सकेंगे ?

श्री मनुभाई शाह : वहां पर जो काम होता है, वह वहां के कानून के अन्तर्गत होता है। अगर हमारे यहां कोई काम होगा, तो वह हमारे कानून के मातहत होगा। जो दोनों को पसन्द होगा, वही काम होगा।

श्री विभूति मिश्र : क्या माननीय मंत्री को यह पता है या नहीं ?

Shri P. C. Borooah: May I know whether the team presented any specific proposal for collaboration with Indian industrialists and, if so, may I know the broad outline?

Shri Manubhai Shah: I have already outlined it.

श्री क० ना० तिवारी : हमारे व्यवसायियों के द्वारा कितने उद्योग नेपाल राज्य में चलाये जा रहे हैं और उन में कितना कैपिटल इन्वाल्ड है ?

श्री मनुभाई शाह : मैं ने बताया है कि मिला-भाव से जितना काम हो सकता है वह किया जा रहा है। मैं चाहता हूँ कि संसद् का भी उस को सपोर्ट हो और इस सम्बन्ध में शंका का कोई स्थान न हो।

श्री क० ना० तिवारी : मैंने दूसरी बात पूछी है।

अध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य अगली दफा वह बात पूछ लें।

Export of Bhilai and Durgapur Steel

***99. Shri Yashpal Singh:** Will the Minister of Steel, Mines and Heavy Engineering be pleased to state:

(a) whether it is a fact that steel manufactured at Bhilai and Durgapur

is being exported to Cambodia and South Vietnam;

(b) if so, the total quantity exported so far; and

(c) the future programme for such exports?

The Deputy Minister in the Ministry of Steel, Mines and Heavy Engineering (Shri P. C. Sethi): (a) Steel manufactured at Bhilai and Durgapur has been exported to South Vietnam; but no export has been made to Cambodia.

(b) The total quantity exported to South Vietnam upto 31st January, 1964 is about 3,000 tonnes.

(c) During the year 1964, orders for about 5,000 tonnes are likely to be booked for export to South Vietnam.

श्री यशपाल सिंह : जो स्टील हम बाहर भेज रहे हैं, वह हमारे यहां सरपलस है या फारेन एक्सचेंज की जो कमी है उसको देखते हुए बाहर भेज रहे हैं ?

श्री प्र० चं० सेठी : हमारे यहां जो सरपलस चीजें हैं, जैसे जायस्ट्स, चैनल, एंगल, राउंड, बार्ज, रेल्व वगैरह, वही हम भेज रहे हैं।

श्री यशपाल सिंह : यह जो माल हम भेज रहे यह रुपी पेमेंट बेसिस पर भेज रहे हैं या हार्ड करेंसी बेसिस पर भेज रहे हैं ?

श्री प्र० चं० सेठी : साउथ वियतनाम को भेजे जाने का जहां तक सम्बन्ध है वह यू० एस० एड क्रेडिट के तहत खरीदता है, इसलिए रुपी पेमेंट का सवाल नहीं है।

Shri S. M. Banerjee: May I know whether we have reached a stage of self-sufficiency in those items which have been exported or is it at the cost of our internal requirements that they are exported?

Mr. Speaker: He said that it is surplus which we are exporting. Sur-